जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 264 प्रभात चूरू, रविवार 22 जनवरी, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ऑस्ट्रेलियन पेंटेड स्नाइप इस महाद्वीप के सबसे दुर्लभ पक्षी हैं, जिन्हें इकॉलजिस्ट मैथ्यू हैरिंग ने "निअर मिथिकल" की संज्ञा दी है। माना जाता है कि विश्व में इस प्रजाति के मात्र 340 पक्षी ही बचे हैं, पर सिर्फ यही बात इन्हें दुर्लभ नहीं बनाती है। असल में पेंटेड स्नाइप निम्नलिखित कहावत का जीवंत प्रमाण हैं, "नज़रों से दूर तो ज़ेहन से दूर।" पक्षी प्रेमी स्वयं ही भूल जाते हैं कि इनका भी अस्तित्व है। हैरिंग कहते हैं, ये पक्षी कीचड़ पसंद करने वाले और जलीय पौधों में छुपकर रहने वाले शोर बड्र्स हैं। एक रिसर्च प्रोजेक्ट में विश्व की लगभग दस हजार पक्षी प्रजातियों की उद्विकासीय खासियत को उनके कंज़र्वेशन स्टेटस की तुलना में परखा गया था और इस आधार पर उन्हें प्राथमिकता दी गई थी। इस रिसर्च में ऑस्ट्रेलियन पेंटेड स्नाइप को 29 वें स्थान पर रखा गया। इस एकांतवासी पक्षी के दर्शन बेहद दुर्लभ हैं। हैरिंग ने बताया कि, बर्डडेटा और ईबर्ड ऐप पर देखें तो पूरे ऑस्ट्रेलिया में, दो साल में इस पक्षी का मात्र 5 बार उल्लेख मिलता है। दुर्लभ दर्शन की वजह से शोधकर्ताओं को पेंटेड स्नाइप के बारे में मूलभूत जानकारी दर्ज करने में भी मुश्किल हो रही है। यह भी पता नहीं है कि, इनकी आबादी इतनी कम क्यों है। हैरिंग, जो मरी वाइल्डलाइफ कन्सल्टेंसी के प्रमुख हैं, ने कहा कि, इन पक्षियों की इतनी कम आबादी के पीछे आवास विनाश और बाहर से आए परभक्षियों की अहम् भूमिका हो सकती है, साथ ही जलवायु परिवर्तन भी एक प्रमुख कारक है। लेकिन विश्व के अन्य भागों में, जैसे एशिया और अफ्रीका, ग्रेटर पेंटेड स्नाइप और साउथ अमेरिकन पेंटेड स्नाइप चिड़ियाँ फल फूल रही हैं। शायद ऑस्ट्रेलिया के वैटलैण्ड्स इनके अनुकूल नहीं हैं। ऑस्ट्रेलियन वैटलैण्ड्स के अन्य पक्षियों की तरह पेंटेड स्नाइप पक्षी भी घुमक्कड़ हैं, लेकिन हैरिंग कहते हैं कि, अक्सर ये कई महीनों या सालों के लिए लुप्त हो जाते हैं और हमें नहीं पता कि वे सर्दियों में और सूखे मौसम में कहां होते हैं, और जब आपको किसी पक्षी के बारे में पता ही ना हो कि वो कहां हैं, तो उन्हें कंज़र्व करना बहुत कठिन होता है। इनके संरक्षण के लिए हैरिंग ने नवम्बर में "क्राउड फण्डिंग" मुहिम शुरु की थी तथा 40 दिन में उनके पास 11.6 हजार डॉलर एकत्रित हो गए थे। इससे हैरिंग 12 पेंटेड स्नाइप्स पर सैटलाइट ट्रांसमीटर फिट करेंगे और अंततः जान पाएंगे कि, आखिर ये पक्षी जाते कहां हैं।

निक्की हेली 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की तैयारी में

निक्की के माता-पिता, अजीत सिंह व राज कौर रंधावा, पंजाब से अमेरिका आये थे तथा साऊथ कैरोलाइना में विदेशी वस्तुओं को बेचने के लिये छोटा सा स्टोर खोला था

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। अमेरिका ने अपनी प्रतिष्ठा के जिस चरम को कभी अनुभव किया था, देश को उसी स्तर पर ले जाने के लिए क्या अमेरिका की जनता एक पीढ़ीगत बदलाव करना चाहती है? क्या जो बाइडन जैसे डैमोक्रेट और डॉनल्ड ट्रम्प जैसे रिपब्लिकन नेताओं का समय अब समाप्त होने जा रहा है?

ये वे प्रश्न हैं जिनका उत्तर नवम्बर 2024 में होने जा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में निश्चित रूप से दिया जाएगा। लगता है कि प्रमुख इण्डियन-अमेरिकन रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने देश का अगला राष्ट्रपति बनने को लेकर अपना दावा ठोक दिया है।

साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और यूनाइटेड नैशन्स की पूर्व राजदूत हेली का जन्म नाम निम्रता निक्की रंधावा है। उनके पिता अजित सिंह रंधावा पंजाब से आकर अमेरिका में आकर बसे थे।

हेली के अभिभावकों का विदेशी वस्तुओं का एक छोटा स्टोर था जो बाद में क्लोदिंग व गिफ्ट्स आइटम्स के एक सफल कारोबार में तब्दील हो गया।

- निक्की हेली उर्फ निम्ता कौर बचपन से इस स्टोर में काम करती थीं तथा क्लैमसन युनिवर्सिटी में अकाउन्टैंसी की पढ़ाई के बाद, पूरी तरह स्टोर के काम में रम गयीं।
- 2004 में निक्की, हाऊस ऑफ रिप्रैज़ैन्टेटिव निर्वाचित हुईं तथा 2008 में दो बार इस चुनाव में जीतीं।
- 51 वर्षीय निक्की, साऊथ कैरोलाइना की गवर्नर तथा यू.एन. में अमेरिका की राजदूत भी रह चुकी हैं।
- निक्की ने फॉक्स न्यूज़ को दिये एक इन्टरव्यू में कहा कि, अब समय आ गया है, नये युवा नेतृत्व के लिये और वे अपने आपको वह नेता मानती हैं, जिसकी अमेरिका को तलाश है। उन्होंने साक्षात्कार में यह भी कहा कि, मैं आज तक कोई चुनाव नहीं हारी हूं और न अब हारूंगी।

हेली ने अपनी किशोरावस्था में अपने घर के स्टोर में काम करना शुरु किया और क्लिमज़न यूनिवर्सिटी में अकाउन्टिंग का अध्ययन करने के बाद भी उन्होंने परिवार के कारोबार में हाथ बंटाना जारी रखा। वर्ष 1966 में उन्होंने माइकल हेली से विवाह किया। माइकल बाद में अमेरिका के "नैशनल गार्ड" की नौकरी में आ गए तथा अफगानिस्तान युद्ध के दौरान उनकी तैनाती वहां की गई। वर्ष 2004 में हेली ने रिपब्लिकन के परम्परागत प्लेटफॉर्म पर प्रचार कर हाउस ऑफ रिप्रैज़ेन्टेटिव्ज़ की एक स्टेट सीट पर विजय प्राप्त की। उनके प्रचार अभियान में टैक्स कटौती, प्रवास नियंत्रण और गर्भपात प्रतिबंधों के मुद्दे शामिल थे। उन्होंने अगले वर्ष ही पदभार ग्रहण किया और वर्ष 2008 में वह पुनः निर्वाचित हुईं।

न्यूज़ एजेंसी पी.टी.आई. की एक रिपोर्ट कहती है कि "यह तेजतर्रार नेता ऐसा सोचती है कि वह एक ऐसा "नया नेता" बन सकती है जो देश को एक नई दिशा में ले जा सकता है और अमेरिका में जो बाइडन को राष्ट्रपति के रूप में दूसरा कार्यकाल मिलना मुश्किल है।"

फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति पद का संभावित उम्मीदवार बनने को लेकर अभी तथ्यों पर गौर कर रही हैं। इस 51 वर्षीया नेता से जब विशेष रूप से यह पूछा गया कि क्या वह राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले अगले चुनाव में प्रत्याशी बनेंगी तो उन्होंने कहा कि "मैं समझती हूं कि इसे लेकर मुझे अपना मानस बनाए रखना है।" हालांकि साक्षात्कार के दौरान हेली ने संकेत दिया कि वह अमेरिका की नई नेता हो सकती है। हेली ने कहा, "किन्तु जब आप

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भारत सरकार ने यू-ट्यूब व ट्विटर के कुछ विडियोज़ को ब्लॉक किया

ये वो विडियोज़ हैं जो बी.बी.सी. की, "इण्डियाः द मोदी क्वैश्चन" नाम से बनायी डॉक्युमैंटरी को दिखा रहे थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। आलोचना, खासतौर पर विदेशी मीडिया से होने वाली आलोचना को ना बर्दाश्त करने वाली मोदी सरकार ने यू-ट्यूब और ट्विटर को बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्टरी "इण्डिया : द मोदी क्वैश्चन" के वीडियोज़ को शेयर करने से रोक दिया है।

जानकार सूत्रों के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस डॉक्यूमैन्टरी के प्रथम एपिसोड को प्रसारित कर रहे यू-ट्यूब के कई वीडियोज़ को ब्लॉक करने के निर्देश दिए हैं। बी.बी.सी. की डॉक्यूमैन्टरी "इण्डिया : द मोदी क्वैश्चन" के वीडियोज़ को यू-ट्यूब के कई चैनल्स पर भारत में ब्लॉक कर दिया गया है और इसके लिंक को शेयर करने वाले ट्वीट्स भी भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं। सुविज्ञ सूत्रों के अनुसार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करते हुए इस डॉक्यूमैन्टरी को पहले एपिसोड को प्रसारित कर रहे यू-ट्यूब के कई वीडियोज़ को ब्लॉक करने के निर्देश दिए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय यू.के. के पब्लिक ब्रॉडकास्टर-ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा निर्मित डॉक्यूमैन्टरी को पहली ही एक ऐसे दुष्प्रचार की संज्ञा दे चुका है जो उद्देश्य विहीन है और जिसमें औपनिवेशिक मनःस्थिति झलकती है। तथापि बी.बी.सी. द्वारा इस डॉक्यूमैन्टरी को भारत में उपलब्ध नहीं कराया गया, लेकिन लगता है कि यू-ट्यूब के कुछ चैनल्स ने किसी भारत विरोधी एजेण्डे को आगे बढ़ाने के लिए इसे अपलोड कर दिया है। यू-ट्यूब को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि उसके प्लेटफॉर्म पर यदि उन वीडियोज़ को फिर से अपलोड किया जाए तो वह उन्हें ब्लॉक कर दे। ट्विटर की पहचान लिंक बताने वाले

- ट्विटर के उन विडियोज़ को भी ब्लॉक किया गया, जो डॉक्युमैंटरी को देखने के लिये लिंक शेयर कर रहे थे।
- विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय व सूचना प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस डॉक्युमैंटरी को देख कर यह मन बनाया है कि, यह डॉक्युमैंटरी अप्रमाणित तथ्य प्रसारित कर के सुप्रीम कोर्ट की प्रतिष्ठा व विश्वसनीयता को ठेस पहुँचा रही है तथा यह जातियों के बीच वैमनस्य फैलाने की साजिश लगती है।
- 302 रिटायर्ड न्यायाधीशों, वरिष्ठ सरकारी अफसरों व सेना के अधिकारियों ने एक हस्ताक्षरित वक्तव्य जारी किया है तथा बी.बी.सी. की डॉक्युमैंटरी में प्र.मंत्री मोदी पर लगाये गये आक्षेपों का पूरी तरह खंडन किया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मिस्र के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी भारत के 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति अल-सिसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर भारत यात्रा पर आ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, "यह पहला अवसर है कि अरब रिपब्लिक ऑफ ईजिप्ट के राष्ट्रपति हमारे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गये हैं।" गणतंत्र दिवस परेड में मिस्र की सेना की एक सैन्य टुकड़ी भी सहभागिता करेगी।

- मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे हैं।

अपनी इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'संघ द्वारा नेताजी के जन्मदिवस पर भारी आयोजन उनकी विरासत का लाभ उठाने का प्रयास है'

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की पुत्री अनिता बोस प्लाफ ने जर्मनी से टेलीफोन वार्ता में कई दो टूक बातें कहीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की पुत्री अनीता बोस-प्लाफ ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की उस योजना को अस्वीकार कर दिया है जिसके अन्तर्गत, वह 23 जनवरी को नेताजी की जयन्ती को समारोह पूर्वक मनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह सब उनके पिताजी की विरासत के "आंशिक दोहन" के लिये किया जा रहा है।

बोस-प्लाफ ने इतिहास में नेताजी को सही परिप्रेक्ष्य में स्थान देने के मुद्दे को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि आर.एस.एस. की विचारधारा तथा उस राष्ट्रवादी नेता (नेताजी) के धर्मनिरपेक्ष एवं समावेशी विचार से "मेल नहीं खाते तथा एक-दूसरे के विपरीत" हैं।

उन्होंने कहा कि जहाँ तक विचारधारा का प्रश्न है, देश की किसी भी अन्य पार्टी की अपेक्षा, नेताजी के विचारों का कांग्रेस विचारों के साथ काफी साम्य है।

वे आर.एस.एस. की इस योजना में बाधा बन गई हैं, जिसके अन्तर्गत वह नेताजी को अपना बताकर, उनका उपयोग प्रचार के लिये ठीक उसी तरह करना चाहती है, जिस तरह उसने देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का किया है।

- उनके अनुसार, सुभाष बाबू व संघ के विचारों में कोई सामंजस्य नहीं है। पर, वे अगर उनको सम्मानित कर रहे हैं, उनके जन्मदिन पर, तथा सुभाष बाबू के सिद्धांतों, सोच व दर्शन के नजदीक आना चाहते हैं, तो अच्छी बात है।
- उन्होंने यह भी कहा कि, सोच व विचारों की दृष्टि से सुभाष बाबू आज की पार्टियों में कांग्रेस के सबसे नजदीक हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अप्रैल से 100 ट्रेनों का रास्ता बदलेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने के एक हिस्से के रूप में, भारतीय रेलवे 100 से अधिक ट्रेनों का रास्ता बदल रहा है। इस परिवर्तन से केवल मुख्य ट्रेनें, जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरोन्तो तथा वंदे भारत ही मुक्त रहेंगी। स्टेशन के पुनर्विकास के प्रथम चरण में, स्टेशन के 16 में से 5 प्लेटफॉर्मों को लिया जायेगा तथा उक्त

- नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन को विश्व स्तरीय बनाने के लिए भारतीय रेल्वे ने नई दिल्ली आने वाली 100 ट्रेनों का रास्ता बदला है। अब सिर्फ शताब्दी, राजधानी, दुरंतो और वंदे भारत ही नई दिल्ली स्टेशन पर रूकेंगी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा, सोच समझकर बोलें, अपनों को ऐसा बोलना अच्छी बात नहीं

गहलोत द्वारा पायलट को नकारा-निकम्मा और करोना बोलने पर थरूर ने नसीहत दी

जयपुर, 21 जनवरी (का.प्र.)। पिछले दो ढाई साल के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को नकारा - निकम्मा और गद्दार से लेकर करोना तक कहा गया है। जयपुर आए कांग्रेस सांसद शशि थरूर से जब इन नकारात्मक शब्दों के लगातार प्रयोग को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नसीहत देते हुए कहा कि, "उन्हें सोच समझकर बोलना चाहिए। जब हम अपने साथियों के बारे में बोल रहे हैं तो सोच समझकर बोलना चाहिए। मैंने अपने विरोधियों को भी ऐसे शब्द नहीं कहे।"

शशि थरूर शनिवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आए थे। उन्होंने कहा कि "मुझे राजनीति में 14 साल का वक्त हो गया है। मैंने किसी के बारे में कभी भी ऐसा कुछ कहने या उकसाने की कोशिश नहीं की। मैं राजनीति में कभी भी कीचड़-कुश्ती नहीं करना चाहता। यही सोचकर मैंने काफी मुद्दों को अवॉइड किया।" थरूर ने कहा कि मैं अपने साथियों से यही गुजारिश करता हूं कि अपने ही भाई-बहनों के बारे में ऐसा कहना अच्छा नहीं है। हमें अपने मतभेदों को मिटाने की कोशिश करनी चाहिए।

थरूर ने कहा कि "लोगों के अलग-अलग विचार भी हो सकते हैं। इसे कहने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं। मैं भी चाहूंगा कि पार्टी के अंदर हमें एक-दूसरे से प्रेम से रहना चाहिए। मैंने अपने विरोधियों के लिए भी ऐसा नहीं बोला। हमारे देश की कोई भी पार्टी हो। उसमें सबकी एक जैसी राय नहीं है। भाजपा में भी हर विषय पर हर व्यक्ति की एक ही राय नहीं है। मेरा मानना है कि लोकतंत्र में दो लोगों की राय में फर्क हो सकता है। अगर आपकी विचारधारा एक है और आप एक ही मकसद के लिए लड़ रहे हैं, तो अंत में कौन लीड करेगा। यह तो पार्टी को तय करना पड़ेगा।"

नेतृत्व और मदभेद को लेकर थरूर ने कहा कि "मतभेद सभी जगह होते हैं। भाजपा में कौन-कौन नेतृत्व कर रहा है। कांग्रेस में कौन-कौन नेतृत्व कर रहा है। इसका मतलब ये नहीं है कि दूसरे लोग भी अपने आप को कामयाब नहीं मानते हैं। अभी वो लोग अधिकार में नहीं है। किसी भी पार्टी में अंदरूनी लड़ाई मेरे ख्याल में हकीकत है।" उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में सभी की सोच अलग हो सकती है, लेकिन यह तय है कि कांग्रेस के सभी नेता भाजपा के खिलाफ हैं।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों सचिन पायलट प्रदेश दौरे कर रहे हैं। उनके दौरों के बाद से राजस्थान कांग्रेस का आंतरिक संघर्ष बाहर नजर आने लगा है। इन्हीं दिनों में कर्मचारी संगठनों के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट पूर्व हुई बातचीत का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें पायलट का नाम लिए बिना गहलोत ने पायलट की तुलना करोना से कर दी थी। कर्मचारियों के नेता की बात काटते हुए गहलोत ने कहा था कि "आप ठीक कह रहे हो, मैं मिलने लगा हूं, पिछले सोमवार को मिला था। क्या हुआ कि पहले करोना आ गया। फिर एक बड़ा करोना और आ गया हमारी पार्टी के अंदर।" इससे पहले

- आपकी विचारधारा एक, एक ही मकसद के लिए लड़ रहे हैं पर अंत में कौन लीड करेगा, यह तो पार्टी को तय करना पड़ेगा।
- कांग्रेस में कौन नेतृत्व कर रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि, दूसरे लोग अपने आप को कामयाब नहीं मानते।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एफ.आई.आर. को 24 घंटे में सार्वजनिक नहीं किया जा सकता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2016 के यूथ-बार एसोसिएशन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया के केस में दिए गए अपने निर्णय के अनुसार एफ.आई.आर. दर्ज किए जाने के 24 घंटे के भीतर पुलिस और राज्य सरकारों की वैबसाइट्स पर उसका प्रकाशन किए जाने से इंकार किया है।

एडवोकेट प्रशांत भूषण ने सौरव दास के अधिवक्ता की हैसियत से कोर्ट के वर्ष 2016 के निर्णय पर भरोसा जताया। दास की याचिका में जनता के

(शेष पृष्ठ 5 पर)